बी.ए.-प्रतिष्ठा, संस्कृतम्, तृतीयो भागः (तृतीयं वर्षम्)

B.A. Honours in Sanskrit, Part-III (Third Year)

पञ्चमसत्रम् (Fifth Semester)

2013-2014 सत्रतः (w.e.f. Session: 2013-2014)

Paper – XI : संहिता व्याकरणम् च

(Samhita Vyakaranam Cha)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: ऋग्वेदसंहिता– 16अङ्काः
1.1 अग्निसूक्तम्, 2.12 इन्द्रसूक्तम्, 10.121 हिरण्यसूक्तम्,
10.191 संज्ञानसूक्तम्।
(क) द्वयोः मन्त्रयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) सूक्तसारः/देवता-परिचयः। (6अङ्काः)

घटकम्-II: यजुर्वेदसंहिता– 34.1–6 शिवसंकल्पसूक्तम्। 16अङ्काः

घटकम्-III: अथर्ववेदसंहिता– 12.1.1-20 भूमिसूक्तम्। 16अङ्काः
(क) द्वयोः मन्त्रयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) सूक्त-सारः/मन्त्रांशस्य विवेचनम्। (6अङ्काः)

घटकम्-IV: वैदिकभाषायाः वैशिष्ट्यम्, लेट्लकारः, तुमर्थकप्रत्ययाः,
स्वर-परिचयः (उदात्तः, अनुदात्तः, स्वरितः)। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।

3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – XII : तर्कसंग्रहः
(Tarkasamgrahah)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: अन्नम्भट्ट :, तर्कसंग्रहः – पदार्थविवेचनम्, द्रव्यगुणादिविवेचनम्, प्रत्यक्षखण्डः। (मुख्यांशव्याख्या आलोचनात्मकः प्रश्नः च) 16अङ्काः

घटकम्-II: तर्कसंग्रहः – अनुमानखण्डः। (मुख्यांशव्याख्या आलोचनात्मकः प्रश्नः च) 16अङ्काः

घटकम्-III: तर्कसंग्रहः – उपमानखण्डः। (मुख्यांशव्याख्या आलोचनात्मकः प्रश्नः च) 16अङ्काः

घटकम्-IV: तर्कसंग्रहः – शब्दखण्डः। (मुख्यांशव्याख्या आलोचनात्मकः प्रश्नः च) 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – XIII : लघुसिद्धान्तकौमुदी निबन्धः च
(Laghusiddhantakaumudi Nibandhah Cha)

पूर्णाङ्काः 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20

समयः 3 होराः

घटकम्-I: वरदराजः, लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरणम्। 16अङ्काः

(क) द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणं व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)

(ख) संज्ञाद्वयसम्बद्धः एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। (2x3=6अङ्काः)

घटकम्-II: लघुसिद्धान्तकौमुदी– सन्धिप्रकरणम्। 16अङ्काः

(क) द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणं व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)

(ख) रूपद्वयस्य ससूत्रं सिद्धिः। (2x3=6अङ्काः)

घटकम्-III: लघुसिद्धान्तकौमुदी– तिङन्तप्रकरणम्। 16अङ्काः

अधोलिखितानां धातूनां केवलं लट्-लोट्-लृट्-लङ्-विधिलिङ्-लकारेषु सिद्धरूपाणि–

√भू, √एध्, √कृ, √चुर्।

घटकम्-IV: संस्कृतमाध्यमेन निबन्धः। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।

3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

षष्ठसत्रम् (Sixth Semester)

2013-2014 सत्रतः (w.e.f. Session: 2013-2014)

Paper – XIV : उपनिषद् शतपथब्राह्मणम् च
(Upanishad Shatapathabrahmanam Cha)

पूर्णाङ्काः 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20

समयः 3 होराः

घटकम्-I: ईशोपनिषद्– 16अङ्काः

(क) द्वयोः मन्त्रयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)

(ख) एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। (6अङ्काः)

घटकम्-II: कठोपनिषद्, प्रथमोऽध्यायः – 16अङ्काः

(क) अंशद्वयस्य व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)

(ख) एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। (6अङ्काः)

घटकम्-III: कठोपनिषद्, द्वितीयोऽध्यायः – 16अङ्काः

(क) अंशद्वयस्य व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)

(ख) एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। (6अङ्काः)

घटकम्-IV: शतपथब्राह्मणम्– 1.8.1: मनुमत्स्याख्यानम्– 16अङ्काः

(क) व्याख्यात्मकः प्रश्नः। (10अङ्काः)

(ख) एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। (6अङ्काः)

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – XV : गीता मनुस्मृतिः च
(Gita Manusmritih Cha)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: श्रीमद्भगवद्गीता, अष्टादशोऽध्यायः – 1–40 श्लोकाः। 16अङ्काः
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) एकस्य श्लोकांशस्य व्याख्या। (6अङ्काः)

घटकम्-II: श्रीमद्भगवद्गीता, अष्टादशोऽध्यायः – 41–78 श्लोकाः। 16अङ्काः
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) एकस्य श्लोकांशस्य व्याख्या। (6अङ्काः)

घटकम्-III: मनुस्मृतिः, द्वितीयोऽध्यायः – 1–100 श्लोकाः। 16अङ्काः
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। (6अङ्काः)

घटकम्-IV: मनुस्मृतिः, द्वितीयोऽध्यायः – 101तः समाप्तिपर्यन्तं श्लोकाः। 16अङ्काः
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। (6अङ्काः)

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में

पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – XVI : व्याकरणम् अनुवादः च
(Vyakaranam Anuvadah Cha)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: वरदराजः, लघुसिद्धान्तकौमुदी– विभक्त्यर्थप्रकरणम्। 16अङ्काः
(क) द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणं व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) द्वयोः उदाहरणयोः ससूत्रं विभक्ति-प्रतिपादनम्। (2x3=6अङ्काः)

घटकम्-II: लघुसिद्धान्तकौमुदी– विभक्त्यर्थप्रकरणम्। 16अङ्काः
चतुर्णाम् अशुद्धवाक्यानां संशोधनपूर्वकं (उचितविभक्तिप्रयोगपूर्वकम्) पुनः लेखनम्। (4x4=16अङ्काः)

घटकम्-III: लघुसिद्धान्तकौमुदी, स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम्– 16अङ्काः
(क) द्वयोः सूत्रयोः सोदाहरणं व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) रूपद्वयस्य ससूत्रं सिद्धिः। (2x3=6अङ्काः)

घटकम्-IV: अष्टवाक्यात्मकस्य हिन्दीगद्यांशस्य **संस्कृत**माध्यमेन अनुवादः। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित

आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।

3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼